इ. वि. का. राजवाडे संशोधन मंडळ धुळें.

—: हस्त लिखित ग्रंथ संग्रह :—

ग्रंथ क्रमांक [illegible]२९३(२५३)

ग्रंथ नाम कृ[illegible]जन्म.

विषय मराठी काव्य.

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(१)

श्री

॥श्री गणेशाय नमः॥ सुतां स्मरण मुनीस्वरांसी॥ सोमेकांतांचा
॥लीलाय नास्ती॥ मगासु चोत्र तिथा चारतितिसी॥ येकी
॥तासी नेउनिसांगे॥ [illegible] निरुनि उटीला॥ पुत्र
॥स्त्रीणा करिथरिला॥ [illegible] तुनि घ[illegible] निगेली॥ सु
॥कांतिवे सत्नावो[illegible] पकुळा[illegible]य शाकारुणे॥
॥करुणा युत हो उनि म[illegible] आत्मा वुधानपेके स्नेह॥
॥अमरावचने पे मा सी[illegible] लीला निशीचा च दु
॥र्धर हर॥ पुरुहोजा मता वोवसहर॥ राया या सुमिरु
॥चीर॥ स्थान पास्ता निवेसावे॥ [illegible] आदेश करावे मुत
॥चेश्म रुणा॥ म स्त किसु कुळाजब कालपुन॥ कासमीरवे

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(2) ॥ स्वेतांबर ॥ द्वीव्यशरिर कल्ला वें ॥ ५ ॥ नीर्गुण जें को
॥ परब्रह्म ॥ तें चे रूप सगुण मंगळधाम ॥ कृपावलोकनें पु
॥ र्णकामि ॥ तो हांति कल्प द्रुम भक्तांचा ॥ ६ ॥ स्वगुरूचें जें रू
॥ प नाम ॥ तेंचि स्मरावें सुगम ॥ राजु नियोतं सत्व में ॥ इष्ट
१ ॥ देवता चीतावी ॥ ७ ॥ प [illegible] न आत: स्मरामी ॥ स्नणा १
॥ चीया निसनेमि ॥ अ [illegible] वें हस प्रीं ॥ पुण्य काव
॥ अवसरि ॥ ८ ॥ पर्व [illegible] चा गणनाथ ॥ जो कां वि
॥ स्याचा रूतु भुत ॥ ब्र [illegible] वां वरद ता ॥ ज्याची स्पा
॥ कां तू जगदात्मा ॥ ९ ॥ नीगमागमांचें जे स्थान ॥ धर्म
॥ अर्थ काम फळ दान ॥ ज्या रूप देयास नालागे न ॥ मो
॥ क्ष्या कारण गणपती ॥ १० ॥ जो काळ रुम नासी क्षमा ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(2A)

॥ तिनें स्तन जन्मकाळी ॥ ५ ॥ आम च्या कुळीं जन्मला ॥
॥ करील स्याहा स्यधा की पाला ॥ येकें वेळ जाउनी ग्रांये
॥ ला ॥ देईल आंसौला पीउ स्तन ॥ ६ ॥ म्हणोनी पित
॥ रस्रातें घाती ॥ हे मक[illegible]नीम पावती ॥ तें णें दरि १
१ ॥ द्रिरोगी होति ॥ दुर्ध[illegible]ने प्यार ॥ ७ ॥ असो क
॥ मळानें स्तन ॥ जे व[illegible] पन्न ॥ पास्त वर्ध[illegible]की
॥ नंदचन ॥ जाली स[illegible]ती ॥ ८ ॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

श्री

(३) ॥ श्रीगणेशायनमः ॥ येन्हृचित स्त्रीपुत्रजन्म होतां ॥ बोधा
॥ च्या आनंदचित्ता ॥ प्राप्ति पितरसविता ॥ वेदचोध्या
॥ ह्लिकियांसी ॥ १ ॥ सुर्य [illegible] प्रातःस्नान ॥ करुनि देई
॥ लक्ष घर्पदानंद [illegible] पापविरोधन ॥ तुदूल सुभ
॥ मनरुपमासे [illegible] रविअवदान ॥ देईल [illegible]
॥ मजलागुन ॥ [illegible] सिसमाधान ॥ [illegible]
॥ ह्यायनंदनजन्मया [illegible] पुण्यकर्मप्राप्ति घरि ॥
॥ करितां सुखाचे घर [illegible] ॥ मानि आपला साहुकारी ॥
॥ मज वरिजन्मला ह्या ॥ [illegible] ॥ करिलरुवेदाध्यापन ॥ वे
॥ दाचिदिग आचरण ॥ प्रास्तावे वस्दस माधान ॥ मानि

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(3A)

॥अमरवरदगणेशा॥ध॥मा च, चस्मी चमरलाशानधरस्या
॥मायातीत कोटिभास्कर॥तोच करुणासागर॥सर्वेस्व
॥रादिनबंधु॥७॥ नम [illegible] न अमासाम॥नीर्मळनी
१ ॥सकळमंगळधाम॥न[illegible] पुर्णकाम॥त्रळईधाम १
॥वीस्वाचें॥८॥ नीय न[illegible] न नीर्गुण॥नीजदासज्ञा
॥लासगुण॥नामें उध्व[illegible] तीपावन॥नारदचन्य
॥कीर्तनीं॥धा॥९॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

श्री

(५)

॥ श्रीगणेशाय नमः ॥ नारद रुक्मांगदा लागुन ॥ क्षेत्रमहीमा
॥ कला कथन ॥ सोते आसी वरिष्ठ उन ॥ आल्हादे उठोनी
॥ घाला ॥ १ ॥ स्कंधी याही लावीणा ॥ आक्रमित त्याली ला
॥ गामना ॥ करितसे नम[illegible]ा ॥ कराश्च वर्णा तयाच्या ॥
॥ ५ ॥ शुध्दसनातन शीव[illegible] सुरवंदन सींधुरमर्दन ॥
॥ सीधुनिकेदन सजन प[illegible]शर्वा कवणा जगदीशा ॥
॥ [illegible] ॥ सचेतिम संकट[illegible]गर शोषणासी चनिकेतन ॥
॥ सीधीवलभ सद्गतीकारणा ॥ पावाउन्मना आमोचरा ॥ ७ ॥
॥ मन्मथ वरद मंगळमुर्ती ॥ मयुरस्वार रुन मणपती ॥ मूढग
॥ जभजन धीपति ॥ मरुपती वरदक्षो ॥ ८ ॥ मंगळवरदम
॥ छाकृतीधर ॥ मणीमयडारि सुंदर ॥ मनमुर्तीधरणीधर ॥

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai."

(5A)

॥नरविंचीआरतीभासमान॥७॥कनकवसनयाबाऊ
॥सौदामीनीचा॥घनतनु[illegible]उरीवास[illegible]जगस्वामीनिजा॥
॥श्रवणीमणीकिरीटीकुंडलीगुजभांत[illegible]
॥[illegible]चक्राते॥८॥[illegible]परमसुंदररत्नकांचीं॥
॥[illegible]गदामाळी[illegible]कांची॥ऐसीतनुपर
॥मसुंदरयाळकांची॥[illegible]तभपिताजगपाळका
॥ची॥९॥आनंदासि[illegible]तनिमग्नजाला॥पोट
॥सरलसुतख्यातयसुआजाला॥सप्रेमताहळुरूपगुण
॥केशवाचे॥वर्णनिकंसभयहृतकथिलेसयावे॥१०॥:

" Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(5)

॥ब्रह्मा ब्राउनि तळ्ठ मोहि रमापी ॥ आसि घालुनि अपु
॥ली रेवे रमापी ॥ म्ह्रोउ नंदकन्या सीखुण नीठेवा ॥ अजोआ
॥पुलादरुअ न देठवा ॥१॥ रेसवदानीजन काय दुवेश
॥ब्राला ॥ स्र चसुतन [illegible] रूप जाला ॥ चेह्यातरे नय २
२ ॥जाला नीज स्पावदावि [illegible] शातीअतिपदसुतताव
॥दावी ॥१५॥ नेगोकुलास [illegible] परितीदवेदचा ॥ अस्त्रा
॥पीला नीजपीतावसुद [illegible] ॥ वीष्णु वदाउनी शीशुत्व
॥कजाक्षु जाला ॥ तो चालीलाचीउ [illegible] च लोनीअ चोस्र
॥जाला ॥१६॥ उचलुनी हृतिजो हो होय स्यानंद आया ॥ ज
॥घस वली गुणमाया गोकुळीनंद आया ॥ त्रीभुवन पति

"Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan Mumbai."

(5A)

॥च्ची कीशाक्तीतयोग नीद्रा ॥ करिस कळजनातेश्चातीसेप
॥ना नीद्रा ॥ १ ॥ नीशा अर्चनारिचलोकात्रवृति ॥ वीशे
॥ घबुजल्याा मीशी त्रवृति ॥ पेउड्डार पाळामरु घोर नी
॥द्रा ॥ जसी जन्मलो गो [illegible] ग नीद्रा ॥ १५ ॥ जयायेवी
॥द्रा स्विरुम्र रवशा नर [illegible] ॥ त्यालागी नीद्रा गळती
॥ कुलुप स्रि रवळरवठा ॥ [illegible] यरियताऊ चलुनी घन शा
॥ मळरुरि ॥ भवगाय [illegible] यरिरुारि कुपासीं धुलरुरि ॥
॥ १६ ॥ काकवोउलोह्रा चीननीप विकचीलाड्नोकेर ॥ घणीजे
॥ लोरुारि बस्र घीटी रवीळेठा कुनीकेर ॥ आसं गाचीशक्ते
॥ प्रभु उचलीताते उघरीती ॥ कयास्र कृष्णा च्याज घटी

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai. "

(८)

॥ तें वीची चीत्रे चीत उघडी ती ॥ १७ ॥ हुडहुडळघन गर्जतीव
॥ फानीचारि ॥ दशशत फणिचा तेघ छत्ररूप नीचारि ॥ सखी
॥ बसीण यमा ॥ चीक्रुरया [illegible] नीचाये ॥ भयमनी वसुदेव मा
३ ॥ नीलघोरवाटे ॥ १८ ॥ [illegible] ॥ सण मागती लोक रि ॥ ३
॥ सुरपती वर्षी ज्यागि का [illegible] भयानक डोय मुनानुंजा ॥
॥ वरूसे फेन भयावरस्था [illegible] ॥ १९ ॥ शेतेजा चताची आ
॥ चेळ गळती चंच चळ [illegible] सेमा कफेण क्रम ती उद
॥ कि सात फुगती ॥ नदीतीर मागी श्रीभुवन पतितेस
॥ उक [illegible] दी ॥ जसा जाज्वास तजळधीपती रामा पीछा करि ॥
॥ २० ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

श्री

(6A)

॥ श्रीकृष्णजन्म प्रारंभ ॥ करनि नमन येकोहं वंदवा
॥ हारिते ॥ भवभय अवघेही नामज्याजे हारिते ॥ हारि
॥ जीनवकीत रातेसे वीताव [illegible] ॥ काथिन चरित्र रूपो
॥ यासप्रांवार्च [illegible] निनदसदनोरहारिस्य
॥ झाते ॥ मायाजल [illegible] मे पहाते ॥ आ [illegible]
॥ यजुनी उग्र [illegible] ॥ हो वधध्य [illegible] तीपाहा
॥ वसुदेव जाला ॥ २ [illegible] जी या गर्भी देवासुदेव ॥
॥ आसे हा विलेरूपाहायेसे देव ॥ हा [illegible] कला तेथुनी
॥ हेकथोर ॥ तैं हरिप्राचरीत्रि हरिचीत थोर ॥ [illegible]
॥ दानी नीशाचर लक्षणी ॥ [illegible] जउत्तम लक्षणी ॥

" Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

(७)

॥दीसतासअति अद्भुत बालक॥ चीज्ञानाय...चाव
॥कपलक॥ ॥ नयन सुह रताश्रवणाव धी॥ वीमलश्री
॥सीजसाचीगुण॥ वधी॥ वचटला अति अद्भुत
१ ॥बालक॥ वीचीपी[illegible] पाळक पाळक॥ यापुजा १
॥व्रयारि हो तेऱ्यारु हाक[illegible] मसी धमारा वंयो दस
॥चक्र॥ म हि दि सिस्या[illegible] मुत बाळकाची॥ दीस
॥सर्व लोकाचीया पाळक[illegible] ची॥ धा ची वहस्य प्रत करसु
॥दरकेशवाचा॥ वर्णु शोकन गुछा पामिल लेशवाचा॥
॥कोको गळा परमं कौस्तुभ प्रासमना॥ जोयाति स्वरूपे

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(२-A)

॥ चर ॥ अनादी अनंत साकार ॥ जो श्रुत्या द्विज उं
॥ कार ॥ तो गणेस्वर नमावा ॥ ११ ॥ मग नमीन [illegible] गीरि
॥ ज्यापती ॥ चंद्रमौळी दीग्यदीपी ॥ [illegible] जी नवता
॥ कस्ती ॥ [illegible] शुक [illegible] ॥ १४ ॥ जेने मदन केला
॥ दहन ॥ [illegible] न ॥ ईश्वरादी सुरसी भग
॥ [illegible] ॥ कति तीस्त वन [illegible] ॥ १[illegible] ॥ उमर धरी येक
॥ करि ॥ कपुरगौर [illegible] ॥ [illegible] रुणा नंदीकेस्वरसि ॥
॥ अर्धांगी गौरि नमीन [illegible] ॥ मग नमावा [illegible] आप
॥ ती ॥ उग्रवीर्य वीरमुर्ती ॥ नानावतार धरि ख्रीती ॥
॥ नी [illegible] ॥ १६ ॥ क्षीराब्धी ता जो करि
॥ वास ॥ अमराधीपती बंधु ईश ॥ पापापहारि रमेश ॥

Joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(४)

॥ रिपुंच्या नाशा करितां जो ॥ १४ ॥ म्हणउनि मुकीच्येकारें छा॥
॥ मे पशाम नारायेन ॥ १ ॥ हृदईं ओंमजाचा दक्ष घाचर
॥ छा ॥ श्रीव छलांछेन नमावा ॥ १५ ॥ ज्याने तन नमीजे
॥ दीनानाथ ॥ जो गा[illegible] हुरित ॥ जो पापापहा
२ ॥ रकारि ॥ लोक वंदि[illegible]तं ॥ १८ ॥ जो जेद नया
॥ सकबंध ॥ जो सरा[illegible] कविमन ॥ जो तान
॥ मुस वंदिन ॥ अनं[illegible]न सर्वदां ॥ १५ ॥ जो सकल
॥ तां उदयाचवळीं ॥ आनंद पव प्रभु सप्रकी ॥ जो तमी
॥ तें रखंद ळी ॥ आठुमा ळीन मींजे तमे ॥ २० ॥ मनानमावि
॥ तेगीरीज्या वानी ॥ प्रवये स्वेयीची रखा ळी ॥ संसा

टिका २

(8A) ॥ रस्लीं धुरारणी ॥ त्रीनयनी जमदग्नी ॥ ७५ ॥ पराशराचें
॥ आधीकारण ॥ मुरारि माय चे आत्म मान ॥ नाना मा
॥ महर्षी पुण ॥ मुनीश्वर सावित्री जीये ॥ ७६ ॥ सकळ
॥ देवांची स्वामीनी ॥ अ[illegible] तारीनी ॥ भव मरीषा
॥ सुरम्य धीमी ॥ ज[illegible] न मीजिते ॥ ७७ ॥ पच्या
॥ यतान जालीया ॥ [illegible] भरा[illegible] कलारि ॥ मुनीश्व
॥ पस्ची अग्नीरोची ॥ पं[illegible] ळ भीतावो ॥ ७८ ॥ कपील
॥ कष्य पलोम हर्षण ॥ [illegible] नारद वेशपायन ॥ मधुवा
॥ मेदेय कोउण्य ॥ तपेस पुल्लंग छमर ॥ ७९ ॥ गार्ग्य दालभ्य
॥ कौशीक ॥ पराशर अंगीरा शौनक ॥ व्यास चलीखर आ
॥ रणी शुक ॥ पुण्यस्लोक गौतम ॥ भृगु ऋषी जमदग्नी पौलस्ती ॥

A joint project of the Rajwade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१) ॥ ... आर्यपादीरसेस्वर ॥ जेका पुण्यावराह ॥ रुस्मा केनी
॥ स्तर ॥ मग नदीस्मरण करावी ॥ ७ ॥ गंगा यमुना सर
॥ स्वती ॥ चंद्रभागा आणी गोमती ॥ क्षिप्रा पुर्णा वेत्रव
॥ ती ॥ चर्मण्वती वेदीका ॥ ८ ॥ कृष्णा वेण्णा आणी का
३ ॥ वेरि ॥ तापी रेवा गोदा [illegible] म ही पयोष्णी पराशरि ॥ ३
॥ सा वी श्री शुभ्र कुकु [illegible] ॥ रघु गंगा की भीमरा ॥
॥ ती भ्रष्ट पर्णी मल्ल [illegible] भद्रा आणी चवरा ॥ सी
॥ धु फल्गुनी शोत ॥ ९ ॥ [illegible] पुनःपुना पार्वती ॥
॥ सुवर्ण भद्र वरुणावती ॥ अलकनंदा भागीरथी ॥ शो
॥ णा देव त्र्यंगी ॥ १० ॥ सकळ तीर्थी मुगुटमणी ॥ ब्रम्ह
॥ कमंडली मानी जे जनी ॥ जगन्मात्री पथ्यगामीनी ॥

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai

(१०)

3 उजव व डाव समजावे कोणी त्यास राजाचे उजवे व डावे नेत्र समजतात."

राजपद धारण करणाऱ्या व्यक्तीस ह्या दोन [illegible] कान अंगांपैकी कोणते हे ~~[illegible] आहेत असे नमूद~~ करण्यांत

राज कारभाराचे काम युवराज व अमात्यादी ~~च~~ अधिकारी [illegible] यांच्या मदतीने राजाने

करावे हे दर्शवि[illegible] [illegible] कार्य हेर आहे. हे.

सांगावयास [illegible] [illegible] नाही. राजाच्या या

दोघां महत्[illegible] [illegible] [illegible]ची युवराजास कोणत्या

प्रकारचे शिक्ष[illegible] [illegible] त्याच्या ठिकाणी कोणत्या

गुणांची [illegible] [illegible] [illegible] ठरावी हे स्पष्टीत करण्यां

त शुक्र[illegible] [illegible] [illegible] आहे.

"नीति शास्त्र" कुशलान धनुर्वेद विशारदान।

क्लेश संहाच्य नाग्दण्ड पारुष्यानुभवान सदा॥२२

शौर्य युद्धरतान् सर्वकलाविद्याविदोऽजसः।

सुविनीतान प्रकुर्वीत ह्यमात्या धैर्नृपस्सुतान॥२३

शु. नी. अ. २

अर्थ:— राजाने आपल्या कुटुंबातील मुलास

नीति शास्त्र पारंगत करावे. ~~धनुर्विद्या~~ ~~[illegible]~~

शिक्षण द्यावे. श्रम सोसण्याची शक्ति त्याच्यांत

आणावी. कठोर शब्द व शिक्षा सोसण्याची त्यास

Joint project of the Rajawade Sanshodhan Mandal, Dhule and the Yashwantrao Chavan Pratishthan, Mumbai.

मूळ प्रत पाहण्यासाठी संपर्क

इतिहासाचार्य वि.का. राजवाडे संशोधन मंडळ, धुळे
राजवाडे पथ, गल्ली नं. १, धुळे-४२४००१ (महाराष्ट्र)
दूरध्वनी क्रमांक (०२५६२) २३३८४८
Email ID : rajwademandaldhule@gmail.com